SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

Patel Nagar, Dehradun-248001, Uttarakhand, India

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s 2(f) of UGC Act 1956]

Syllabus

Pre-Ph.D. Course Work (Hindi)

Effective from Academic Session
(2020-2021)

&

Revised in (2024-25)

Patel Nagar, Dehradun-248001, Uttarakhand.

Course Structure and the Assessment scheme of
Pre Ph.D. Course Work Syllabus

S.N.	Paper Code	Subject	Credits L:T:P	Total credit	Total marks (External + Internal)	Minimum marks to be scored for successful completion
1.	PRMC-101	Research methodology (अनुसंधान प्रविधि)	2:1:1	4	80 (60+20)	40
2.	PREC-102	Research & Publications Ethics (शोध और प्रकाशन नैतिकता)	1:1:0	2	40 (30+10)	20
3.	PHNC-103	Hindi Sahitya (हिंदी साहित्य)	4:0:0	4	80 (60+20)	40
4.	PHNE-104	Subject Specific (elective paper) one out of four विषय विशिष्ट (वैकल्पिक प्रश्न पत्र) किन्ही चार प्रश्न पत्र से एक	4:0:0	4	80 (60+20)	40
5.	PHNF-105	Field work (फील्ड वर्क)	0:0:4	4	80 (00+80)	40
			Total	**18**	**360**	**180**

Programme Outcome:

1. सामाजिक और वैज्ञानिक मुद्दों के समाधान में किसी विषय के अनुप्रयोग के लिए उसकी गहरी समझ विकसित करना।

2. सतत विकास के लिए नैतिक अनुसंधान करने के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझना।

3. वैज्ञानिक समस्या का तर्क-आधारित समाधान विकसित करना।

4. पर्यावरण सुरक्षा और जीविका पर अनुसंधान एवं विकास के प्रभाव को समझना।

5. टीम वर्क के अनुरूप समस्या की पहचान करने और समाधान खोजने के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल विकसित करें।

6. एक लक्षित वैज्ञानिक समस्या से संबंधित प्रयोगों को डिजाइन करने और निष्पादित करने के कौशल सेट को विकसित करना।

7. अनुसंधान निष्कर्षों का विश्लेषण करने और निर्धारित उद्देश्यों के साथ सहसंबंध के लिए पूर्वापेक्षा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना।

8. शोध परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए सावधानीपूर्वक वैज्ञानिक लेखन कौशल विकसित करना।

अनुसंधान प्रविधियां
(अनिवार्य प्रश्न पत्र)
Code: PRMC-101
Credit: 04

Course Outcome:

1. अनुसंधान प्रक्रिया के बुनियादी ढांचे की समझ विकसित करना।
2. विभिन्न शोध डिजाइनों और तकनीकों की समझ विकसित करना।
3. साहित्य समीक्षा और डेटा संग्रह के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।
4. अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संचालन के नैतिक आयामों की समझ विकसित करना
5. विद्वतापूर्ण लेखन के घटकों की सराहना करें और इसकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करें।

इकाई-1

अनुसंधान के संकल्पना एवं प्रकार

अनुसंधान का अर्थ और महत्व- अनुसंधान के प्रकार- शोध समस्या का चुनाव एवं निर्माण- अनुसंधान संरचना एवं वर्गीकरण, शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान, खोज और प्रारंभिक अनुसंधान, वर्णनात्मक शोध, निदानात्मक शोध, मूल्यांकन अनुसंधान, क्रियात्मक अनुसंधान, प्रयोगात्मक अनुसंधान, सांख्यिकीय विश्लेषण की विधियां, ऐतिहासिक अनुसंधान

इकाई -2

अनुसंधान की प्रविधियां

सर्वेक्षण,केस स्टडी, क्षेत्र अध्ययन एवं सामान्य सर्वेक्षण की प्रविधियां सर्वेक्षण विधि, अंतः विषय विधि, केस स्टडी, नमूना विधि, सांख्यिकीय विधि, अवलोकन विधि, साक्षात्कार विधि, अनुसूची विधि, प्रश्नावली विधि, डॉक्यूमेंट्री विधि,

Sarita

पुस्तकालय विधि, ऐतिहासिक विधि एवं वैज्ञानिक विधि। वैज्ञानिक विशेषणिक विशेषताएं, अनुभवजन्य सत्यापन योग्य,संचयी, स्वयं सुधार- सुधारात्मक, नियतात्मक, नैतिक एवं आदर्शात्मक विचारधारा,(मूल्यहीन) सांख्यिकी सामान्यीकरण

इकाई-3

आधार सामग्री का संग्रहण एवं विश्लेषण

आधार सामग्री का संग्रहण, वस्तुनिरीक्षण और वर्गीकरण,आधार सामग्री का सारणीकरण, उद्देश्य, एवं प्रकार्यात्मक, संसाधनों की व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण, प्राथमिक, द्वितीयक तृतीयक आधार सामग्री, संसाधनों का निर्माण करना एवं अपनाना, प्रशासनिक प्रश्नावली एवं परीक्षा, आधार संसाधनों को एसपीएसएस, ऑल एक्स एल वर्गीकृत करना, आधार सामग्री का ग्राफिकल प्रस्तुतिचर की परिभाषा एवं विश्लेषण, चरो की समस्या विश्लेषण, चरणों का कंप्यूटरीकृत विश्लेषण और व्याख्या, परिकल्पना का परिक्षण: तर्क एवं सांख्यिकी तकनीक द्वारा।

इकाई- 4

विवरण लेखन

रुचि अनुसार प्रस्तुतीकरण, वैज्ञानिक चर का स्वभाव, निर्माण एवं परिचालन चर, चरो का मापन स्तर, विभिन्न पैरडेगेम्स, अनुसंधान की प्रारंभिक रिपोर्ट निर्माण, श्रेणी एवं पुनः शिक्षण शैली, विवरण लेखन का महत्व, शुद्ध अनुसंधान विवरण लेखन का महत्

शोध और प्रकाशन नैतिकता
(आनिवार्य प्रश्न पत्र)
Code: PREC-102
Credits-02

Course Outcome:

1. अनुसंधान प्रक्रिया के बुनियादी ढांचे की समझ विकसित करना।

2. विभिन्न शोध डिजाइनों और तकनीकों की समझ विकसित करना।

3. साहित्य समीक्षा और डेटा संग्रह के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।

4. अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संचालन के नैतिक आयामों की समझ विकसित करना

5. विद्वतापूर्ण लेखन के घटकों की सराहना करें और इसकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करें।

इकाई-1

नीति शास्त्र एवं दर्शन

1. दर्शनशास्त्र का परिचय: परिभाषा, स्वभाव, क्षेत्र, संकल्पना, शाखा।
2. नीति शास्त्र: परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय का स्वभाव और प्रतिक्रिया।

इकाई-2

वैज्ञानिक आचरण

1. अनुसंधान में वैज्ञानिकता एवं वैज्ञानिकता
2. अनुसंधान में बौद्धिक ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठाता

3. वैज्ञानिक अवगुण: सत्यकरण एवं साहित्य चोरी (एफ एफ पी)
4. व्यतिरिक्त प्रकाशन: नकल एवं अतिव्यापी प्रकाशन
5. चयनात्मक रिपोर्टिंग एवं अनुचित प्रस्तुतिकरण

इकाई-3

प्रकाशन नैतिकता

1. प्रकाशन नैतिकता: परिभाषा, परिचय एवं महत्व
2. सबसे बेहतर प्रयोगात्मक/श्रेणी उपक्रम एवं दिशानिर्देश: प्रकाशन परिषद (COPE) डब्ल्यू ए एन (WAME) इत्यादि
3. हितों का टकराव
4.प्रकाशन अवगुण: परिभाषा, सिद्धांत, अनैतिक व्यवहार की समस्या
5. प्रकाशन में अनैतिकता, ग्रन्थकारिता एवं अंशदान
6. असैद्धांतिक प्रकाशन की पहचान करना, शिकायत एवं याचिका
7. प्रकाशन शोषण और सामान्य अभ्यास

इकाई-4

उन्मुक्त अभिगम या खुली पहुंच (ओपन एक्सेस पब्लिशिंग)

1. उन्मुक्त अधिगम प्रकाशन पहल
2.एसएचईपीआरए (SHERPA) आरओएमईओ (ROMEO) ऑनलाइन संसाधन जो सर्वाधिकार एवं आत्म उपलब्धि की नीति का निर्माण करते हैं
3. सॉफ्टवेयर जो यह पहचान करता है की प्रकाशन किस प्रकार विकसित हो (SPPU) द्वारा
4. खोजी पत्रिका/ पत्रिका सुझाव तंत्र जैसे जेएलएनई, एलसी व जनरल फील्डर, स्प्रिंगर, जनरल सजेशन इत्यादि

इकाई- 5

प्रकाशन अवगुण

(अ) समूह परिचर्चा (2 घंटा) 1. विषय से संबंधित नैतिक मुद्दे, एफ एफ पी (FFP) ग्रंथकारिता 2. रुचि से प्रभावित निर्णय3.भारत एवं विदेश में होने वाली साहित्य चोरी से संबंधित शिकायत एवं याचिका दायर करना

(ब) सॉफ्टवेयर उपकरण (2 घंटा) साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर उपकरण प्रयोग जैसे तुटिनियम, उरुकुड एवं अन्य संसाधन सॉफ्टवेयर उपकरण

इकाई -6

बहस एवं अनुसंधान मापन

(अ) बहस (4 घंटा) 1. अनुक्रमण बहस 2. उद्धरण बहस: वेब ऑफ साइंस,स्कोपस, इत्यादि

(ब) अनुसंधान मापन (3 घंटा) 1.शोध पत्रिका इंपैक्ट फैक्टर उद्धरण रिपोर्ट, एस एन पी, एस जे आर, आई पी पी, सीट स्कोर 2. मापन एच-सूची, जी-सूची, आई-10 सूची, अल्टमेट्रिक।

साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
(अनिवार्य प्रश्न पत्र)
Code: PREC-103
Credits- 04

Course Outcome:

1. हिंदी साहित्य की विभिन्न विचारधाराओं की समझ विकसित करना।
2. मध्ययुगीन साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक आर्थिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त करना।
3. साहित्य समीक्षा और डेटा संग्रह के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।
4. हिंदी साहित्य के आधुनिक युगीन साहित्यिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना।
5. हिन्दी साहित्य के विभिन्न विमर्शों और विचारधारों का मूल्यांकन की समझ विकसित करना।

इकाई-1

साहित्यिक विचारधारा का परिचय-

(I) विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियां।

(II) भक्ति आंदोलन, विभिन्न दार्शनिक मत- (द्वैतवाद, अर्द्वतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद) मध्ययुगीन बौद्ध और आधुनिक बोध में साम्य वैषम्य।

इकाई -2

आधुनिक काल की वैचारिक पृष्ठभूमि

(I) आधुनिक बोध का स्वरूप परंपरा और आधुनिकता, राष्ट्रीयता अंतर्राष्ट्रीयता।

(II) पुनर्जागरण एवं भारतेंदु युग काव्य, त्रिवेदी युग और लोक जागरण।

इकाई -3

आधुनिक विचारधाराएं

(I) आधुनिक विचारधाराएं- गांधीवाद (सत्य, अहिंसा, स्वराज) मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (स्वतंत्रता, अजनबीपन)

(II) आधुनिक अवधारणाएं- अध्यात्मवाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर आधुनिकता।

(III) राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन, हिंदी साहित्य में संवैधानिक अवस्था के अनुरूप लोकतंत्र, समाजवाद।

इकाई-4

हिंदी साहित्य विमर्श

(II) दलित चेतना, स्त्री जीवन मूल्य, मिथकीय चेतना, एवं मानवाधिकार विमर्श, आंचलिक और महानगरी बोध, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य का मनोविज्ञान।

संदर्भ ग्रंथ:-

1- साहित्य की भूमिका- डॉ काली प्रसाद द्विवेदी।

2- परंपरा का मूल्यांकन - डॉ रामविलास शर्मा।

3- दूसरी परंपरा की खोज- डॉ रामवर सिंह।

4- भक्ति काल की भूमिका- डॉ प्रेम शंकर।

5- महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण की समस्या- डॉ रामविलास शर्मा।

6- हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ बच्चन सिंह।

7- दलित साहित्य का सौंदर्य- शरण कुमार लिंबाले।
8- स्त्री विमर्श: समाज और साहित्य-क्षमा शर्मा।
9- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी।
10- पाश्चात्य साहित्य- भोलानाथ तिवारी।
11- पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद- स० शंकर नवीन
12- हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ रामचंद्र शुक्ल।

(3)

Multi Sozida

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद)
(वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
Code: PHNE-104
Credits- 04

Course Outcome:

1. छायावाद की अवधारणा की समझ विकसित करना।
2. छायावादी साहित्य की आधुनिक युगीन साहित्यिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना।
3. छायावादी साहित्य की समीक्षा के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।
4. छायावाद के वास्तविक स्वरूप और उसके महत्व को समझना ।
5. छायावाद के समग्र मूल्यांकन की समझ विकसित करना।

इकाई-1

छायावाद और स्वच्छंदवाद

(I) छायावाद और स्वच्छंदवाद, छायावाद में रहस्यनुभूति का स्वरूप, छायावादी कवियों में स्वच्छंदवाद कल्पना, छायावादी कवियों की राष्ट्रीय- सामाजिक- सांस्कृतिक चेतना।

(II) छायावादी काव्य में नारी, छायावादी कवियों का सौंदर्य बोध, आदि काव्य में संगीत तत्व छायावाद की काव्य की भाषा एवं शिल्प विधान।

इकाई-2

प्रसाद का जीवन दर्शन

(I) प्रसाद का जीवन दर्शन समरसता और आनंद वाद कामायनी का रूपक तत्व कामायनी का आधुनिक संदर्भ।

(II) निराला की प्रगति चेतना, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, राम की शक्ति पूजा का काव्य सौंदर्य, मुक्तक छंद अवधारणा और प्रयोग।

इकाई -3

पंत की काव्य यात्रा

(I) पंत की काव्य यात्रा के विविध सोपान प्राकृतिक चित्रण, कल्पनाशीलता।

(II) महादेवी वर्मा के काव्य में रहस्यवाद वेदना भाव गीति तत्व।

संदर्भ ग्रंथ:-

1 छायावाद के आधार स्तंभ- गंगा प्रसाद पांडे।

2 आधुनिक कविता यात्रा -डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी।

3 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

4 नई कविता और नए कवि -डॉ विश्वभर मानव।

5 छायावाद - नामवर सिंह।

6 छायावाद का रचनालोक- रामदरश मिश्र।

छायावादोत्तर काव्य
(वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
Code: PHNE-104
Credits- 04

Course Outcome:

1. छायावादोत्तर काव्य की समझ विकसित करना।
2. आधुनिक युगीन साहित्यिक परिस्थितियों को समझना ।
3. आधुनिक साहित्य की समीक्षा के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।
4. छायावादोत्तर युग के वास्तविक स्वरूप और उसके महत्व को समझना ।
5. छायावादोत्तर युगीन कविता के अध्ययन द्वारा साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त करना।

इकाई-1

प्रगतिवाद

(I) प्रगतिवाद- राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक जागरण, औद्योगिकरण,शोषण की प्रवृत्ति, प्रगतिवादी काव्य आंदोलन।

(II) प्रगतिवादी प्रसिद्ध कवि और उनकी काव्य अंतर्वस्तु व काव्य कला, हलाहल वाद और उसके प्रसिद्ध कवि।

इकाई- 2

प्रयोगवाद

(I) प्रयोगवाद- प्रयोग दृष्टि तार सप्तक परंपरा प्रयोग के जन्म की परिस्थितियां।

(II) प्रयोगवाद के प्रवर्तक अज्ञेय-प्रयोग धर्मिता और काव्य, गिरिजाकुमार माथुर और उनकी काव्य दृष्टि, मुक्तिबोध फैंटेसी के कवि।

इकाई-3

नई कविता

(I) नई कविता का उदय, नई कविता का विकास, औद्योगिकरण, शहरीकरण, कृषि संस्कृति के स्थान पर नौकरी पेशा की ओर झुकाव, नारी जागरण, विज्ञान और जीवन दृष्टि का प्रभाव।

(II) नई कविता की विशेषताएं -भाव बोध एवं विचारधारा, यथार्थ की प्रस्तुति, आधुनिकतावादी दृष्टि, सामाजिक दायित्व बोध, नवीन शिल्प प्रयोग A

इकाई- 4

अकविता नवगीत

(I) नई कविता में रसास्वादन की समस्या, गघमयता, प्रतीकात्मकता, बिंम्ब विधान।

(II) अकविता नवगीत या नया गीत उद्भव और विकास, प्रमुख नव गीतकार और उनकी काव्य अंतर्वस्तु चेतना, शिल्प कला।

सन्दर्भ ग्रंथ:-

1 छायावाद के आधार स्तंभ- गंगा प्रसाद पांडे।

2 छायावाद -डॉ नामवर सिंह

3 छायावाद: पुनर्मूल्यांकन-सुमित्रानंदन पंत।

4 अज्ञेय की काव्य चेतना-डॉ कृष्ण भावुक।

5 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि-डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

6 आधुनिक साहित्य की प्रवृतियां- डॉ नामवर सिंह।।

पत्रकारिता
(वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
Code: PHNE-104
Credits- 04

Course Outcome:

1. पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को परिभाषित करना।

2. पत्रकारिता प्रबंध तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता व प्रिंट पत्रकारिता को समझना।

3.पत्रकारिता की प्रकृति एवं स्वरूप की समझ विकसित करना।

4.पत्रकारिता प्रबंध में समीक्षा और डेटा संग्रह के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतों की पहचान करना।

5.प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की कार्यप्रणाली का समझना एवं चौथे स्तंभ के रूप में प्रेस की भूमिका का विश्लेषण करना।

इकाई-1

पत्रकारिता

(I) पत्रकारिता-पत्रकारिता का अर्थ स्वरूप एवं तत्व, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास।

(II) पत्रकारिता से संबंधित लेखन, संपादकीय फीचर, विचारपरख लेखन, संपादकीय लेखन, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।

इकाई-2

पत्रकारिता प्रकाशन

(I) पत्रकारिता प्रकाशन, प्रबंधन प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री वितरण व्यवस्था, सूचना अधिकार एवं मानव अधिकार।

(II) मुक्त प्रेस की अवधारणा, विज्ञप्ति, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस सबंधित कानून तथा आचार संहिता।

इकाई-3

प्रिंट पत्रकारिता

(I) प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला प्रूफ संशोधन ले आउट प्रिंट सज्जा।

(II) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता रेडियो, टी वी, वीडियो, मल्टीमीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।

इकाई- 4

पत्रकारिता के प्रकार

(I) पत्रकारिता के प्रकार फोटो पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता बाल पत्रकारिता खेल पत्रकारिता महिला पत्रकारिता इत्यादि।

(II) आधुनिक समय में पत्रकारिता का महत्व एवं भूमिका।

संदर्भ ग्रंथ-

1 हिंदी पत्रकारिता की दिशाएं- जोगेंद्र सिंह।

2 रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता- डॉ हरिमोहन।

3 हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास -डॉ अर्जुन तिवारी

4 हिंदी पत्रकारिता -डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र।

5 वीडियो लेखन- डॉ रमेश चंद्र त्रिपाठी।

6 प्रेस विज्ञप्ति- नंदकिशोर त्रिखा।

प्रयोजनमूलक हिंदी
(वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
Code: PHNE-104
Credits-04

Course Outcome:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की समझ विकसित करना।
2. आधुनिक जनसंचार माध्यम की कार्यप्रणाली में हिन्दी की भूमिका को समझना।
3. अनुवाद के क्षेत्रों, कार्यप्रणाली व अनुवाद की प्रयोजनीयता का निर्णय करना।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी में समीक्षा और डेटा संग्रह के लिए सूचना के विभिन्न स्रोतो को समझना।

इकाई -1

कामकाजी हिंदी के विविध रूप

(I) कामकाजी हिंदी के विविध रूप- सृजनात्मक भाषा, संचार, राज्य भाषा, माध्यम भाषा मातृभाषा।

(II) कार्यालय हिंदी के प्रमुख कार्य- प्रारूपण, पत्र -लेखन संप्रेक्षण, पल्लव, टिप्पणी।

इकाई-2

पारिभाषिक शब्दावली

(I) पारिभाषिक शब्दावली स्वरूप एवं महत्व, परिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की परिभाषिक शब्दावली।

(II) दृश्य श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति, दृश्य श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन, पटकथा लेखन।